11-12 अक्टूबर 1995 को धनबाद चलें

समाजवादी जनपरिषद का राज्य स्थापना सम्मेलन

साथियो;

सम्पूर्ण क्रांति विचार धारा के साथियों में एक राजनीतिक दल के निर्माण को लेकर लगभग एक दशक से बहस चल रही थी। एक धारा के लोगों का मजबूत तर्क है कि सत्ता से बाहर रहकर ही सम्पूर्ण क्रांति के विचार को आगे बढ़ाया जा सकता है। ऐसे लोग सत्ता पर अंकुश लगाने तक की बात से आगे जाकर एक राजनीतिक दल के निर्माण की बात नहीं सोचते। पिछले एक दशक के आंदोलनों और अनुभवों के बाद आज भी हमलोगों को एक नये राजनीतिक दल के निर्माण की आवश्यकता महसूस हो रही है। वर्त्तमान सभी राजनीतिक दल अप्रासंगिक हो गये हैं। उनके उद्देश्य सीमित तथा संकीर्ण हो गये हैं। 1977 में जनता पार्टी जिन मूलभूत उद्देश्यों को लेकर बनी थी, वे मूल्य समाप्त हो गये। वह न जनता को रोटी दे सकी, न आजादी। पिछले दो दशकों में भ्रष्टाचार में इजाफा हुआ है। बेरोजगारी बढ़ी है। गरीबी रेखा से नीचे के लोगों का प्रतिशत बढ़ा है। राजनीति में अपराधी चरित्र के लोग बढ़े हैं। जनता की अपेक्षा आजादी के बाद जो बनी है, वो आज भी पूरी नहीं हुई है। लोहिया, जयप्रकाश और आम्बेडकर को भुनाया जरूर जा रहा है, लेकिन उनके सपने आज भी अधूरे हैं।

अतः 1 जनवरी 1995 को सम्पूर्ण क्रांति विचार धारा से जुड़े लोगों ने मुम्बई के ठाणे में समाजवादी जनपरिषद की स्थापना की है। केरल तथा बंगाल में राज्य इकाइयों का गठन हो गया है। महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, कर्नाटक, आन्ध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश, दिल्ली तथा बिहार में होना बाकी है।

11-12 अक्टूबर 1995 को धनबाद में राज्य स्थापना सम्मेलन का आयोजन किया गया है। नया बिहार बनाने के सपना को लेकर यह सम्मेलन आयोजित किया गया है, जिसमें बिहार में चलाये जा रहे जनआंदोलनों को मजबूत करने पर विचार किया जायेगा। भूमि समस्या, सिंचाई, गन्ना किसानों के पाँच करोड़ रुपये के बकाया राशि की वसूली, आधुनिक मशीनों का विरोध, दाम बाँधो आंदोलन, जन-वितरण प्रणाली में धाँधली पर रोक जैसे केन्द्रीय मसलों पर विचार किया जायेगा। आप इस सम्मेलन में सादर आमंत्रित हैं।

बिहार की समाजवादी जनपरिषद यह मानती है हमारी जमात छोटी है। इस छोटी जमात से इतना बड़ा काम नहीं हो सकता। अतः लोगों से बड़ी संख्या में समाजवादी जन परिषद में शामिल होने के लिए आह्वान है। जो शामिल नहीं हो सकते उनमें से भी ऐसे व्यक्ति या संगठन के पदाधिकारी को आमंत्रित करना चाहते हैं, जो साझा आंदोलन चलाने के पक्षधर हैं। चुनाव में ऐसे मित्र संगठनों से हम साझे चुनाव की रणनीति भी बना सकते हैं।

11 अक्टूबर को 10 से 1 बजे उद्घाटन सत्र न्यू टाउन हॉल, गोल्फ ग्राउण्ड, धनबाद में होगा। टाउन हॉल पहुचने के लिए धनबाद स्टेशन से पैदल 20 मिनट लगेगा। रिक्शा भाड़ा 5 रुपया है। सम्मेलन स्थल स्टेशन से 15 मिनट की दूरी पर अग्रसेन धर्मशाला, हीरापुर, धनवाद में है।

आपका

विश्वनाथ बागी

संयोजक

सम्मेलन तैयारी समिति

पुटकी कोलियरी, पो० कुमुण्डा

धनबाद

समाजवादी जनपरिषद, बिहार